भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी विभाग

पाठ: हरिहर काका कायपत्रिका को तिथि: ----------

संसाधन व्यक्ति: श्रीमती बीना स्टिफन तिथि:----------

विद्यार्थी का नाम :---------- कक्षा : X ब

प्रश्नोत्तर

प्र1.कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण ह ?

उ1.कथावाचक और हरिहर काका के बीच दोस्ती का संबंध है। दोनों के बीच स्नेह का रिश्ता है। नि:संतान हरिहर काका ने कथावाचक को बचपन म अपार स्नेह दिया था। वे उसे कंधों पर बैठाकर घुमाया-फिराया करते थे। जब लेखक किशोर हुआ तब हरिहर काका उसके पहले मित्र बने। वही संबंध अब तक चला आ रहा है।

प्र2.हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे ?

उ2.हरिहर काका को महंत और अपने भाई एक ही श्रेणी के इसलिए लगने लगे क्योंकि दोनों ही उनसे नहीं, उनको ज़मीन से प्यार करते ह।महंत ठाकुरबारी के लिए काका को ज़मीन हथियाना चाहता है। हरिहर काका के भाई भी उनको जायदाद के लिए उनका आदर-सम्मान करते ह।

प्र3.ठाकुरबारी के प्रति गाँववालों के मन म अपार श्रद्धा के जो भाव ह उससे उनको किस मनोवृत्ति का पता चलता है ?

उ3.ठाकुरबारी के प्रति गाँववालों के मन म अपार श्रद्धा है।उन्ह अपने श्रम अथवा प्रयास से कहीं अधिक दैवीशक्ति पर भरोसा है। वे अंधविश्वासी ह।कोई भी काम करने से पहले वे ठाकुर जी को मनौती मानते ह।काम पूरा होने पर ने ठाकुरबारी को दान देते ह। ठाकुरबारी के प्रति उनको अटूट श्रद्धा का कारण उनको धार्मिक मनोवृत्ति है।

प्र4.अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया को बेहतर समझ कैसे रखते ह ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उ4. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया को बेहतर समझ ह क्योंकि उन्होंने अपने भाइयों एवं महंत के व्यवहार के साथ-साथ घर को बहुओं के बदले हुए व्यवहार को भी झेला है।वे भली-भाँति जानते ह कि इन सबके बदले हुए व्यहार के पीछे उनको ज़मीन है। उन्ह हरिहर काका से नहीं उनको ज़मीन से प्यार है।वे जानते ह कि अपने जीते-जी यदि वे ज़मीन अपने भाइयों के नाम लिख दगे तो उनके भाइयों का व्यवहार उनके प्रति बदल जाएगा। उन्ह यह बात अपने भाइयों तथा महंत दोनों के ही व्यवहार से समझ म आ गई थी।

प्र5.हरिहर काका को जबरन उठा ले जानेवाले कौन थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बताव किया ?

उ5.हरिहर काका को ठाकुबारी के महंत के लठैत जबरन उठा ले गए थे।उन्होंने हरिहर काका

को डराया-धमकाया, बुरी तरह मारा-पीटा, ज़मीन के कागज़ात पर काका के अँगूठे के निशान लिए। वे लोग काका के हाथ-पाँव बाँधकर और मुँह म कपड़ा ठूँसकर ,एक कमरे म पटका बाहर से ताला लगा दिया और फिर उसी दशा म काका को छोड़कर मंदिर से नौ-दो-ग्यारह हो गए।

प्र6.हरिहर काका के मामले म गाँव वालों को क्या राय थी और उसके क्या कारण थे ?

उ6.हरिहर काका के मामले म गाँव वालों के दो वग बन गए थे। दोनों ही वर्गों को अपनी-अपनी राय थी। एक वग कहता था कि काका को अपनी ज़मीन ठाकुर जी के नाम लिख देनी चाहिए। इससे उनका नाम-यश भी फैलेगा और सीधे वैकुंठ को प्राप्ति होगी। दूसरा वग कहता था कि भाई का परिवार तो अपना ही होता है। अपनी जायदाद भाइयों के नाम लिख देनी चाहिए, ऐसा न करना अन्याय होगा इस प्रकार जितने मुँह उतनी बात होने लगी थीं।प्रत्येक का अपना मत था।

प्र7.कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, "अज्ञान की स्थिति म ही मनुष्य मृत्यु से डरते ह। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।"

उ7.लेखक ने यह इसलिए कहा क्योंकि हरिहर काका वाली स्थिति मे फँसा हर आदमी जानता है कि बार-बार की मौत से अच्छी एक बार की मौत होती है।काका जानते थे कि एक बार ज़मीन उन्होंने भाइयों के नाम लिख दी तो उनकी जिंदगी नरक होने वाली है। अत: उन्होंने इनकार कर दिया और मौत से टकराने के लिए तैयार हो गए। हरिहर काका की इसी मन:स्थिति के कारण लेखक ने उक्त कथन कहा।

प्र8.समाज मे रिश्तों का क्या अहमियत है ? इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उ8.समाज म आजकल स्वाथता कूट-कूट कर भरी पड़ी है।समाज के लोग अपने स्वाथ सिद्धि म लगे रहते ह। भाई-भाई का रिश्ता भी स्वाथपूण हो गया है। समाज के लोग अपने नाते-रिश्तेदारों का आदर सत्कार इसलिए करते ह ताकि उनसे ने पूर फ़ायदा उठा सक। रिश्तों म प्यार एवं बंधुत्व समाप्त हो गया। आज रिश्तों के अथ बदल गए ह, सब स्वाथ पर आधारिता ह।

प्र9.यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत म कोई हो तो आप उसकी किस प्रकार मदद करगे ?